परमेश्वर का इस दिन के लिए प्रदान किया गया मार्ग

... बस एक क्षण जब हम अपने सिर को झुकाते हैं।

हमारे स्वर्गीय पिता, हम आपको यीशु मसीह के लिए धन्यवाद देते हैं, उनकी महान प्रतिज्ञाएं जो उसने हमें दी हैं। हम इन सब बातों के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम इस शहर में इन भले मसीही लोगों के बीच बड़ी अपेक्षाओ के अंदर हैं। हम अपेक्षा कर रहे हैं कि उसे हमारे बीच कार्य करते हुए देखे अपनी उपस्थिति को दिखाते हुए, लोगों को विश्वास देते हुए, उन्हें भरोसा दिलाने के लिए प्रेरित करते हुए। हमारा यहाँ पर होने का यही उद्देश्य है, पिता। हम जानते हैं कि हम आप पर भरोसा कर सकते हैं। हम निराश नहीं होंगे। क्योंकि हम उसे उसके नाम में माँगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते है।

आज सुबह शहर में सेवकों के इन अच्छे झुण्ड के साथ इस नाश्ते को करके बहुत ही खुश था। और इसलिए हम... मैं सोचता हूं उन—उन भाई लोगों ने इसे टेप किया है यदि कोई इसे लेना चाहे तो। हमारे पास संगति का क्या ही समय था। और अब, आज रात हमारी दूसरी रात है, इसे ठीक आगे वैसे ही पाने जा रहे है। सो अब, हम भरोसा करते है कि प्रभु आप सभी को अत्यंत बहुतायत से आशीष देगा।

मैं सोचता हूं कि मैं अपनी एक अच्छी मित्र श्रीमती उपशॉ के लिए देख रहा हूं, जो यहां बैठी है, बहन उपशॉ। प्रभु आपको आशीष दे। मुझे भाई विली अपशॉ याद हैं। मुझे एक दिन उनका एक पत्र मिला था और भाई विली की तस्वीर, जो कांग्रेसमेन है। सो, वह—वह लगभग छियासठ वर्षों से अपंग रहे थे।

वे एक रात एक सभा में थे, मैंने उनके लिए एक दर्शन देखा, बैठे हुए थे, श्रोताओं के सामने से जाते हुए, अपने सूट को पहने, झुके हुए। वह व्हीलचेयर और बैसाखियों में थे, जैसा कि आप सभी उन्हें जानते है, और प्रभु यीशु ने उसी रात उन्हें चंगा कर दिया। और मरते दम तक उनका विश्वास बना रहा।

हम आज रात, उनकी विधवा के यहां बैठने से सम्मानजनक महसूस कर रहे हैं। वो कितने वर्ष के थे जब वह प्रभु के मिलने चले गये? वह कितने वर्ष के थे? [बहन उपशॉ उत्तर देती हैं—सम्पा।] वे छियासी वर्ष तक जीवित रहे। [बहन अपशॉ उनके निधन की गवाही देती हैं।] स्वर्ग चले गये ताकि साथ रहे... हम महान पुरुषों, विश्वास के महान योद्धाओं के लिए आभारी हैं।

अब, आज रात, ऐसा है, हम आपको लंबे समय तक रोके नहीं रखना चाहते। कल शाम हमने आपका दस मिनट ज्यादा समय लिया है, दस बजने में बीस मिनट थे। हम आमतौर पर साढ़े नौ बजे तक बाहर निकल जाते हैं। मैं आज रात उसकी भरपाई करने की कोशिश करूँगा। मैं... मैंने अपने भविष्यसूचक के संदेशों को बदल दिया है मैं देश के विभिन्न हिस्सों में प्रचार कर रहा हूं, फिर से सुसमाचार प्रचार करने की सेवाओ को कर रहा हूं। और उन भविष्यसूचक के संदेशों पर, हम इसे ऐसे ही और आगे और आगे जारी रखेंगे। और अब इसे कम करने के लिए, यह एक तरह से कठिन है, और ये पूरी तरह से उस—उस सेवकाई को बदल देता है।

और वो कारण कि मैं इसे कर रहा हूँ: क्योंकि एक दिन, केनेडा से नीचे आते हुए, यहाँ ठीक ऊपर मोंटाना में, एक बहुत ही सुबह, प्रभु यीशु... मैं जानता हूँ यह अजीब सा लगता है, लेकिन मैं एक कार को चला कर जा रहा था, और किसी चीज ने मेरा ध्यान आकर्षित किया। मैंने एक आवाज़ को सुना, उतनी ही साफ़–साफ़, जितना आप मुझे सुन रहे हो, कहा, "उस पहाड़ पर तुम्हारा नाम लिखा है।" और मैंने देखा, और जब हम रुके, बिली और मैं, प्रभु यीशु ने कहा, "अभी वापस लौट जाओ, और सुसमाचार प्रचार में वैसे ही आरम्भ करो जैसे तुमने की थी।"

यही कारण है कि मैं आज रात यहां हूं, क्योंकि ठीक वापस जाकर फिर से बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। इसकी एक लंबी कहानी है, और मुझे पक्का है कि आप यहां जो टेप के लोग है, जो हमारे टेप को सुनते हैं, वे कहानी के बारे में जानते हैं। मैं यहां फिर से बीमारों के लिए प्रार्थना करने आया हूं। परमेश्वर में बहुत से महान दान हैं। परमेश्वर उनमें से किसी का भी उपयोग कर सकता है जिसे वो चाहे यदि हम उसे ऐसा करने दें। वह प्रभु परमेश्वर है।

और अब, मैं कोशिश कर रहा हूँ कि... लोगों पर हाथ रखने से दूर रहूं यदि मैं इसे दूर रख सकता हूँ, क्योंकि, वहाँ, ऐसा दिखाई देता है (यह सब ठीक है), लेकिन ऐसा लगता है कि कोई तो, चंगा हो जाएगा, वे कहेंगे, "तो, *फलां–और–फलां* ने मुझ पर हाथ रखा।" देखा? मैं—मुझे यह देखना पसंद करता हूँ कि आप बस उस पर हाथ रखे, मसीह पर।

मेरा उद्देश्य है, हम सारे वचनों के द्वारा जानते हैं, कि प्रत्येक विश्वासी के लिए दिव्य चंगाई पहले से ही सुरक्षित है। यह—यह यीशु के दुःख उठाने का भाग है: "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। जैसे मूसा ने जंगल में पीतल के सांप को ऊपर उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को भी अवश्य ही ऊंचे पर चढ़ाया जाना है।" वही कारण।

और वो प्रतीक था, मसीह प्रतिरूप है। और फिर यदि—यदि पुरानी प्रायश्चिता चंगाई उत्पन्न कर सकती है, तो नया प्रायश्चिता कितनी अधिक करनी चाहिए, जिसके पास उत्तम चीजें हैं, जो दिव्य चंगाई उत्पन्न करती हैं।

अब, यीशु को उसी कारण से ऊपर उठाया गया था जिस कारण से उस पीतल के साँप को (उसे पाप बनाया गया था): क्योंकि सर्प पीतल का बना हुआ है, और *पीतल* "ईश्वरीय न्याय का प्रतीक" है; और *सर्प*, दिखा रहा है "सर्प का श्राप" जो अदन की वाटिका से है, जहाँ पाप और बीमारी ने प्रवेश किया।

और यीशु नहीं... कोई भी प्रायश्चिता के नाई यीशु मसीह का प्रचार नहीं कर सकता ईश्वरीय चंगाई का प्रचार किए बिना। दिव्य चंगाई का प्रचार किए बिना कोई भी सुसमाचार का प्रचार नहीं कर सकता। कारण, देखो, आप नहीं... उसके पास... कुछ चीजों के होने के लिए नहीं होना है। जैसे यदि किसी जानवर ने आपको पकड़ लिया है, तो आपको उसका पैर काटने की जरूरत नहीं है, या उसके—उसके हाथ को काटने की या जो कुछ भी उसका आपके पास है। बस उसके सिर पर मार दो और आपको ये मिल जाता है।

और इसी प्रकार से यीशु ने किया जब वो—जब वो पाप के लिए मरा: उसने वह सब कुछ मार डाला जो पाप ने कभी किया था, उसने हमें पूरी तरह से छुड़ा लिया। अब हम उस—उस पारिश्रमिक से खींच रहे हैं

हमारे महान... उसके फिर से आगमन पर हमारे पूर्ण छुटकारे का बयाने के धन को।

तो, आप देखते हैं, बीमारी सीधा–सीधा पाप के करण हुई है—है। किसी ने पाप किया। जब तक पाप नहीं था तब तक कोई बीमारी नहीं थी। और उसके बाद जब पाप ने प्रवेश किया, तो बीमारी उसके पीछे आ गयी। बीमारी पाप का गुण है। और फिर, जब उसने पाप को घात किया, तो ये अपने साथ सारे गुणों को ले गया। देखो, इसे लेना ही था।

अब, हम आज रात वचन के एक भाग को पढ़ने जा रहे हैं।

मैं निश्चित रूप से खुश हूं कि आज रात मेरे पीछे, मेरे भाले भाई लोगो झुण्ड है जो आज सुबह उस सभा में था, और भाई शाकरियन को भी वहाँ पीछे देखकर, और मेरे बहुत से मित्र, उनमें से अधिकतर। आप भाइयों को आज रात यहां पाकर बहुत खुशी हुई। अब मेरे लिए प्रार्थना करना, यदि आप करेंगे।

अब, आइए हम वचनों की ओर जायेंगे, केवल एक छोटे से विषय के लिए, प्रभु ने चाहा तो।

2 और याद रखें, कल रात, फिर से बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे। और अब जब कि मैं बोल रहा हूँ... सुनना, हर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, किसी विशेष बात के होने की प्रतीक्षा ना करे। आपको जो करना है, वो ये है ठीक अभी परमेश्वर पर विश्वास करें। ठीक अभी उस पर विश्वास करें! समझे?

3 अब हर प्रकार की सेवकाईयां रही हैं। परमेश्वर, अंतिम दिनों में, मैं विश्वास करता हूं हमें वह सब कुछ दिया है जो उसने अपनी किताब में डाला है। उसने जो कुछ भी प्रतिज्ञा की है, हमने देखा है, और फिर भी ऐसा दिखाई देता है कि लोग इसे पकड़ नहीं सकते। जिन्हें इसे पकड़ने के लिए ठहराया गया है, वे इसे पकडेगे; केवल वही। यह एक को अंधा कर देता है; दूसरे की आंखें खोलता है।

4 याद रखें, हम विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह मरा नहीं है, लेकिन हमेशा के लिए जीवित है। और वह आज रात यहाँ पर है। हम आज रात उसकी उपस्थिति में हैं, और वह यहाँ पर है किसी भी उस प्रतिज्ञा की पुष्टि करने और उसे पूरा करने के लिए जो उसने आज के दिन के लिए की है। और वह कल, आज, और

युगानुयुग एक सा है। तो, जो कुछ भी वो था, वो, आज रात है। तो आइए अब हम उस पर विश्वास करें, जब हम उसके वचन को पढ़ते हैं और उसके बारे में बात करते हैं, अगले पंद्रह, बीस मिनट के लिए।

5 उत्पत्ति, 22वा अध्याय, और 7वा और 8वा पद, विषय को प्राप्त करने के जरिये के लिए।

> *और इसहाक ने अपने पिता अब्राहम से बोला, और कहा, मेरे पिता: और उस ने कहा, हे मेरे पुत्र, मैं यहाँ हूं। और उसने कहा, देख आग और लकड़ी तो है; पर होमबली के लिए भेड़ कहां है?*
>
> *और अब्राहम ने कहा, हे मेरे पुत्र परमेश्वर होमबली की भेड़ का उपाय आप ही करेगा: सो वे दोनों संग–संग आगे चलते गए।*

6 प्रभु यीशु, अपने वचन को आशीष देना, होने पाए ये व्यर्थ न लौटे, लेकिन होने पाए बीज जमीन पर गिरे जो जरूरतमंद के लिए उद्धार को लेकर आये, दोनों शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से। हम अपने आप को आपको समर्पित करते हैं; सभा के लोग, श्रोतागण, वचन, विषय, संदर्भ। होने पाए पवित्र आत्मा हमारे अस्तित्व पर अधिकार करें, कि हम यीशु मसीह को देखें। आमीन।

7 मैं अब अगले कुछ मिनटों के लिए इस विषय पर बोलना चाहता हूँ: *परमेश्वर का इस दिन के लिए प्रदान किया गया मार्ग।*

8 परमेश्वर के पास हमेशा एक मार्ग रहा है। दो मार्ग हैं, अर्थात्, हमारे मार्ग या उसके मार्ग। परमेश्वर के पास आज के लिए एक मार्ग है, क्योंकि उसने हमेशा हर एक चीज़ के लिए एक मार्ग बनाया है। परमेश्वर, आरम्भ में, अंत को जानता था, इसलिए उसने प्रत्येक युग के लिए अपने वचन को निर्धारित किया है। और वह युग, जब यह साथ आता है... अब इसे देखने से मत चूकना। उस युग में, जब यह आता है, तो आमतौर पर सेवकाई इतनी मिश्रित हो जाती है उस वाद में, और इत्यादि, और रीति–रिवाजो में, इतना तक कि यह वचन से एक लाखो मील दूर हो जाते है।

9 और तब परमेश्वर हमेशा दृश्य पर किसी को भेजता है, एक भविष्यद्वक्ता। और यह भविष्यद्वक्ता... परमेश्वर कभी भी अपनी व्यवस्था को नहीं बदलता है। वह कभी भी अपने मार्ग को नहीं बदलता। वह हमेशा इसे उसी तरह से रखता है। वह हमेशा ही करता है; उसे अवश्य ही इस बार ऐसा करना है। और, इसके जरिये से, परमेश्वर कार्य करता है और

उस वचन को प्रमाणित करता है। जैसा कि मैंने कल रात आपसे बात की थी, परमेश्वर अपना खुद का अनुवाद करता है। परमेश्वर को वचन की अनुवाद करने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं है। वह इसका स्वयं अनुवाद करता है, इसे प्रमाणित करने के द्वारा, इसे वास्तविक बनाता है। और जब परमेश्वर कहता है कि वह एक निश्चित कार्य को करेगा, फिर वह उसे करता है, तो इसके लिए कोई और प्रश्न नहीं है। इसी तरह से वह इसे करता है।

10 इसलिए परमेश्वर ने हमारे लिए एक मार्ग को बनाया है। परमेश्वर अपने बच्चों से प्रेम करता है। वह अपने लोगों से प्रेम करता है। वह उनकी मदद करना चाहता है। जितनी आप मदद चाहते है उससे ज्यादा वो आपकी मदद करना चाहता है। यदि आप इसे अपने ह्रदय में ले सकते हैं, जितना आप खुद की मदद करने की इच्छा रखते है उससे भी बढ़कर परमेश्वर आपकी मदद करने का इच्छुक है। लेकिन उसके पास एक मार्ग है, और यही एकमात्र मार्ग है जिससे वह कार्य करेगा वह उसके मार्ग के जरिये से है। आपको अवश्य ही उसकी शर्तों पर आना है, न कि आपकी शर्तों पर। उसकी शर्तें! आप इसे एक निश्चित मार्ग से चाहते हैं, लेकिन वह—वह इसे आपको उसके मार्ग को देता है।

11 जैसे नामान उस—उस—उस यरदन के पानी में डुबकी लगा रहा था। क्यों, उसने कहा कि उसके देश में पानी बहुत साफ और अच्छा है, लेकिन भविष्यव्यक्ता ने ऐसा नहीं कहा था। "यहां डुबकी लगा।" उसने एक बार डूबकी लगाईं, कोढ़ अभी भी वहां है; छह बार लगाई, यह अभी भी वहां था। उसे आज्ञा का पालन करना था और परमेश्वर के मार्ग पर आना था। और जब उसने परमेश्वर के मार्ग का पूरी तरह से पालन किया, तो कोढ़ चला गया।

12 और मैं आज रात कहता हूँ, कि यदि हम परमेश्वर के प्रदान किये गए मार्ग का पालन करते हैं, तो कोढ़ छोड़ कर चला जाएगा, बीमारी चली जाएगी, हर एक चला जाएगा, लेकिन हमें इस दिन के लिए उसके मार्ग पर आना होगा। अब, यर्दन में डुबकी लगाने से अब कोई फायदा नहीं होगा; यह नामान के लिए था। व्यवस्था यहूदियों के लिए—लिए था। अनुग्रह मसीह के द्वारा होता है।

13 लेकिन हर एक युग के सुसमाचार के उसके भाग पहले से ही भविष्यवाणी की गई है। यह बाईबल यीशु मसीह का सम्पूर्ण प्रकाशन है। इसमें और कुछ भी नहीं जोड़ा जा सकता, या इसमें से कुछ भी निकाला नहीं जा सकता; जो व्यक्ति ऐसा करता है वह शापित होता है। हम इसमें कुछ भी नहीं जोड़ सकते, इसमें से कुछ भी नहीं निकाल सकते। हमें अवश्य ही यहां देखना है और देखना है कि इस युग के लिए क्या प्रतिज्ञा की गयी है, और फिर इसे घटित होते हुए देखे। यह परमेश्वर अपने वचन का अनुवाद कर रहा है। जब उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," वो हुई। यही इसका परमेश्वर का अनुवाद है। जो वह प्रतिज्ञा करता है, इसे वह करता है।

14 अब हम देखते हैं कि परमेश्वर कार्यों को करने की अपनी व्यवस्था को नहीं बदलता है। वह हमेशा ऐसा ही करता है। हम निरंतर बदल रहे हैं क्योंकि हम सिमित हैं। हम सभी प्रकार की गलतियों को करते हैं, और सुधार कर सकते हैं और बेहतर हो सकते हैं। लेकिन परमेश्वर अनंत है। उसका पहला निर्णय हर समय के लिए सिद्ध होता है। वह इससे ज्यादा होशियार नहीं हो सकता। वह था... वह सारी बुद्धि का स्रोत है। वह सर्व ज्ञान है। वह सर्व सामर्थ, सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी और अनंत है। इसलिए, जब वह कुछ भी कहता है, तो अपने प्राण को उस पर अटका दो, क्योंकि यह सच है।

15 अब कुछ कलीसियाये कहते हैं, "और हम *इस,* पर विश्वास नहीं करते हैं, और हम *इसे* विश्वास करते हैं।" परमेश्वर कभी भी एक कलीसिया के द्वारा वो—वो दुनिया का न्याय नहीं करेगा। वह इसका यीशु मसीह के द्वारा न्याय करता है, और यीशु वचन है। वह वचन के द्वारा कलीसिया का न्याय करेगा।

16 और यदि *यह* सारे युगों के लिए और इस युग के लिए यीशु मसीह का प्रकाशन है, उसने इस बाईबल में प्रकट किया है कि वह इस युग में क्या करेगा; और जब हम इसे करते हुए देखते हैं, जब हम उसे वह करते हुए देखते हैं जो उसने करने की प्रतिज्ञा की थी। ना ही कुंवारी जन्म; यह दो हजार वर्ष पहले की बात है। लेकिन जो उसने आज करने की प्रतिज्ञा की थी, जो उसने कहा था कि वह आज करेगा, वही तो वो आज है।

17 बहुत सी बार, लोग कहते हैं, "तो, मैं *इस* पर विश्वास नहीं करता।" तो ठीक है, आपको फिर से हव्वा का अनुवाद मिल गया है; बस इसके कुछ भाग को लेते है, लेकिन इसका सारा नहीं लेते।

18 इसलिए हम इसे याद रखना चाहते हैं कि परमेश्वर हमेशा एक सा रहता हैं। उसका वचन, और जो वह कहता है, वह इसे करेगा।

19 दिखाता है कि वह बदलता नहीं है। उत्पत्ति 1 में, उसने कहा, "हर एक बीज को अपनी जाति के अनुसार लाने दो। हर एक बीज को अपनी जाति के अनुसार लाने दो।" और ठीक वहां ऊपर, हम किसी चीज सीधे वहां पहुंचते हैं जो सारे विकासवादी को निकाल के बाहर कर देता है। आप चीजों को फिर से प्रजनन नहीं कर सकते। आप लेते है जैसे की घोडा और—और—और गधा, उन्हें एक साथ प्रजनन करे, आपको खच्चर मिलता है, लेकिन एक खच्चर वापस प्रजनन नहीं कर सकता और दूसरा खच्चर उत्पन्न नहीं कर सकता। यह वहीं रुक जाता है। "हर एक बीज अपनी जाति का।" वे प्रजनन कर सकते हैं, लेकिन यह खुद को फिर से बदलता है, यह दर्शाता है कि यह उस तरह से विकसित नहीं होता है। नहीं, महाशय। यह वहीं रुक जाता है। आप पालक और किसी भी और चीज का, एक साथ प्रजनन कर सकते हैं, और एक प्रकार की गोभी ला सकते हैं, लेकिन आप इसे फिर से प्रजनन नहीं कर सकते। नहीं, श्रीमान। आप संकरित मकई का प्रजनन कर सकते हैं; लेकिन आप उस संकरित मकई को फिर से लगाते हैं, आपको कुछ भी नहीं मिलता है। आपको हर बार इसे फिर से प्रजनन करना होगा। क्योंकि, परमेश्वर ने कहा, "हर एक बीज अपनी जाति के अनुसार लाने दो।"

20 और अब, चीजों को संकरित करके, देखें कि दुनिया आज किस बात में चली गयी है। मैं *रीडर्स डाइजेस्ट* से बाहर, यहां एक लेख को पढ़ रहा था, कहां, "अब से बीस वर्ष बाद, महिलाओं को बच्चे नहीं होंगे, यदि ये ऐसा ही जारी रहता है। वे संकरित भोजन खा रहे हैं।" इसकी बात यह है कि उन्होंने इसे संकरित किया है, और इस तरह से मनुष्य जाति को नहीं बनाया गया था, कि उस तरह का भोजन खाए। इसे बनाया गया था... या कि इसे उसी तरह से खाएं जैसे इसे बनाया गया था। आज यही कारण है, कि वे मांस को नहीं रख सकते हैं और हर एक चीज उसी तरह से ही रहती है, क्योंकि यह संकरित है, उत्तेजक लगाये गये, और, ओह, हर प्रकार एक तरीके से। यह सब मिश्रित हो गया है। यह उस स्थान पर आ गया है जहां

पूरी मनुष्य जाति अपनी खुद की उपलब्धियों से नष्ट हो रही है, किसी ऐसी चीज़ को लेने की कोशिश करने के द्वारा जिसे परमेश्वर ने अच्छा बनाया है, और इसे घुमाकर और इसे किसी और तरीके से बनाते है, उनके अपने तरीके से। इसे वैसा ही छोड़ दें जैसे परमेश्वर ने इसे बनाया था!

21 ये यहां तक कि एक ऐसे स्थान जगह पर पहुंच गया है जहां वे आज कलीसियाओ को संकरित करने की कोशिश कर रहे हैं; पवित्र आत्मा के सच्चे बपतिस्मे से, हाथ मिलाने की ओर; पानी के बपतिस्मा के लिए किसी प्रकार का छिड़काव करते है। ओह, परमेश्वर! सारी चीज संकरित है। हम वापस आना चाहते हैं।

22 एक संकरित पौधा, आपको इसकी देखभाल करना होगा और इसे छिडकाव करना होगा, और कीड़े और कीटाणुओं को इससे दूर रखना होगा। लेकिन ना ही एक वास्तविक स्वस्थ पौधे को; वह तगड़ा है, मजबूत है, उस पर कीड़े नहीं आते हैं। उसके पास कीडो को दूर करने के लिए उसमें पर्याप्त है।

23 और वैसा ही सच्चा मसीही होता है! आपको उसकी देखभाल करने और उसे थपथपाने की आवश्यकता नहीं है, और उसे *ऐसा, वैसा* या *कुछ* और बताना नहीं होता है। उसके अंदर कुछ तो ऐसा है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, जो बाकी का सब कुछ फेंक देता है। उसे यहाँ–वहां विनंती करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि वह परमेश्वर का एक सच्चा पौधा होता है। उसमें कुछ तो ऐसा है जो युद्ध करता है। एक मसीही हर इंच जमीन के लिए लड़ता है जिस पर वह खड़ा होता है। उसे ऐसा करना चाहिए, यदि वह कभी अस्तित्व की आशा करता है। और, ऐसा करने के द्वारा, उसमें कुछ ऐसा है जो उसकी देखभाल करता है।

24 हव्वा ने आरंभ में वचन को संकरित करने की कोशिश की। परमेश्वर ने उससे कहा, "जिस दिन तुम उसमें से खाते हो, उस दिन तुम मर जाते हो।" उसने इसे ज्ञान के साथ प्रजनन करने की कोशिश की जिसे शैतान उसे देता है। और जब उसने ऐसा किया, तो उसने पूरी मनुष्य जाति को खो दिया, ठीक वहीं, शैतान के लिए, जब उसने परमेश्वर के बिना मिलावट वाले वचन को ज्ञान के साथ मिलाने की कोशिश की।

25 यह वचन के ज्ञान के द्वारा नहीं आता है, यह पवित्र आत्मा की सामर्थ्य के द्वारा आता है! "बल के द्वारा नहीं, शक्ति के द्वारा नहीं, लेकिन मेरी आत्मा

के द्वारा," प्रभु यों कहता है। इसी तरह परमेश्वर इसे करता हैं। परमेश्वर का वचन अनन्त जीवन का बीज है।

26 यदि आप इसे संकरित करने की कोशिश करते हैं, तो आप क्या करेंगे? आप इसके साथ खुद को मार डालेंगे। यह काम नहीं करेगा। यह तेल या पानी के मिश्रण से अधिक नहीं मिलाएगा। यह ऐसा नहीं करेगा।

27 उन्होंने कभी भी, पूरी तरह से, ऐसा कुछ भी खोज करने की कोशिश नहीं की जो परमेश्वर के इसे करने के मार्ग से बेहतर हो। आप जानते है, उन्होंने इस दुनिया में मुर्गे के पैदा होने का इससे बेहतर कोई मार्ग नहीं खोजा, बजाए इसके खुद को उस अंडे ले खोल से बाहर निकाले। क्या आप यह जानते थे? उन्हें बेहतर तरीका कभी भी नहीं मिला। छोटा सा बच्चा अपने अंत में एक छोटे से चेहरे की विकृति के साथ पैदा होता है उसके अंत में—उसके अंत में चोंच होती है। और जो छोटी सी उसके पास होती है, काम पर जाने के लिए और कुरेदने के लिए, आगे और पीछे कुरेदने के लिए, जब तक वह अपने सिर को आरंभ नहीं कर लेता, अपना सिर बाहर निकाल लेता है, अपने मार्ग को मुक्त कर लेता है। यह परमेश्वर का प्रदान किया हुआ मार्ग है। आप उसे अंडे के खोल से बाहर खींचो, यह उसे मार डालेगा। यदि आप उसे अंडे के खोल से बाहर खींचेंगे तो वह जीवित नहीं रहेगा। उसे परमेश्वर के मार्ग से आना होगा।

28 यही आज मसीही लोगों के साथ मामला है। हम उन्हें बहुत ही चापलूसी से लिया है, और हमने उनसे हाथ मिलाया और उन्हें गुप्त रूप से अंदर ले आए, और उन्हें कलीसिया के अंदर जोड़ दिया। उन्हें जो चाहिए जो एक पुराने प्रचलन के प्रार्थना की वेदी है जहाँ वे तब तक प्रार्थना करते हैं जब तक कि वे स्वयं का उपयोग नहीं करते, वे परमेश्वर के प्रदान किये गये मार्ग में नहीं आते हैं जब तक वे स्वयं को संसार से आजाद नहीं कर लेते। आज इसकी परेशानी ये है, वे अपना नाम किताब पर डालते हैं और कलीसिया में जुड़ जाते हैं, और इसके लिए बस इतना ही है। लेकिन परमेश्वर का मार्ग, प्रदान किया गया मार्ग है, वहाँ रुके रहना और अपने जरिये से होते हुए कार्य करना, जब तक कि परमेश्वर आपको नया जन्म नहीं देता। यह बिल्कुल सही है। उसे बाहर निकालना, यह उसे मार डालेगा।

29 यही है जो आज लोगों के साथ मामला है। एक नया जन्म, वे सब इससे हट जाते हैं। वे इसे पसंद नहीं करते। ओह, उनके पास नए जन्म के बदले

कुछ तो है, "आगे आएं और विश्वास करें, और आपको बस इतना ही करना है।" शैतान स्वयं विश्वास करता है, और आप जानते हैं कि उसका नया जन्म नहीं होता है। एक नया जन्म है। इसके साथ कुछ तो जाता है, यह संसार के लिए एक प्रकार से अनुपयुक्त, ना ही रुची रखता है।

30 कोई भी जन्म एक गंदगी है। मैं परवाह नहीं करता कि यह कहाँ पर है। यदि यह सुअर बाड़े में है, या—या एक अस्पताल में। एक जन्म एक गंदगी है।

31 वैसे ही नया जन्म है! यह आपसे ऐसे काम करवाएगा जो आपने नहीं सोचा था कि आप करेंगे। यह आपको वहां वेदी पर ले जाकर और रोने, चीखने, आपके चेहरे पर से रंग को धोने को लगाएगा, अपने हाथ उठाना, परमेश्वर की स्तुति करना, अन्य भाषा बोलना, और हर प्रकार की चीजें करवाएगा। नया जन्म ऐसा करेगा क्योंकि यह फिर से जन्म पाने के लिए परमेश्वर के द्वारा प्रदान किया गया मार्ग है।

32 आपको मरना होगा। आपको मरना होगा इससे पहले फिर से जन्म लेने सके। किसी भी बीज को मरना होगा इससे पहले फिर से नया जीवन प्रदान हो। जब तक यह मरता नहीं, यह अकेला रहता है। एक मनुष्य को अपनी खुद की सोच के लिए मरना होता है। उसे परमेश्वर के वचन के अलावा कुछ भी सोचने के लिए मरना होता है, और परमेश्वर के मार्ग पर आना है। यही परमेश्वर की भूमि है। हम हमारे विचारों पर उससे भेंट नहीं करते; हम उससे भेंट करते हैं जो उसने करने के लिए कहा है। यही इसके लिए परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग है। लोग इससे बचते हैं; वे इसे नहीं चाहते। लेकिन यह सच है, बिल्कुल उसी तरह। यह होगा, यह मृत्यु उत्पन्न करता है, और आपको मरना होगा, अपनी सोच के लिए मरना होगा।

33 "ठीक है, मैं जानता हूं कि बाईबल यह कहती है, लेकिन मैं इसे समझ नहीं सकता।" फिर तब तक वहां बने रहो जब तक कि परमेश्वर उसे प्रकट न करें। यह सही बात है। इसे... यही नया जन्म है।

34 बत्तख और हंस, उन्होंने दक्षिण की ओर जाने के लिए बेहतर तरीका कभी भी नहीं पाया, पहले झुंड की तुलना में। और यह सही है। आप देखेंगे कि वे सभी एक साथ होते है और वे खुद ही आएंगे, किसी प्रकार की प्रकृति उन्हें एक साथ खींचती है, और वे दक्षिण जाने से पहले, उड़ने से पहले एक साथ हो जाते हैं और झुंड में आ जाते हैं। यह क्या है? यह बेदारी का

समय है, जब वे सभी एक साथ हो जाते हैं। क्या आपने कभी अपने जीवन में ऐसी चहचहाहट सुनी है, जैसा कि उन हंस या बत्तखो को एक साथ आते हुए सुनना? मैंने ऐसा कभी नहीं सुना! और उनके पास... उनके लिए इससे बेहतर और कोई मार्ग नहीं है।

35 बहुत सी बार, उत्तर के जंगल में, मैं केनडा में ठंड के ऋतु की पहली शुरुआत को देखता हूं। बत्तखों का एक झुंड ठीक उस झील पर जन्म होता है, वे उस झील से कभी दूर नहीं गए थे, यह छोटा सा पक्षी नहीं जाता है। और पहली चीज आप जानते हो, उत्तर से ठंडी हवा का झोंका आता है। यह छोटा सा, छोटा सा नर बत्तख, वह बस एक अगुवे के नाई जन्म लेता है, ठीक वहीं उस तालाब के बीच में आ जाता है, हवा में अपनी छोटी सी नाक ऊपर रखता है, चार या पांच बार काँ–काँ की आवाज़ को करता है, और तालाब पर हर एक बत्तख सीधे उसके पास आती है। और वह वहां से ऊपर उठता है, और सीधे लुइसियाना की ओर जाता है जैसे वह जा सकता है, चावल के खेतों में।

36 क्यों? उन्हें वहां पहुंचने का इससे बेहतर मार्ग कभी नहीं मिला। आप उन्हें एक साथ झुण्ड में नहीं रख सकते। आप उन्हें एक रसोई में और... एक कैद में रखते है, और उन्हें वहाँ ट्रक में रखते है। उस बत्तख को उससे बेहतर समझ होती है। और आप उसे उस कैद में रखते हैं, ताकि उसे वहां पर ले जाये, वह जानता है कि उसके सिर को घात करने के लिए बाड़े की ओर ले जा रहे है। यह बिल्कुल सही है। वह परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए मार्ग पर जाता है।

37 आज मनुष्य को ऐसी तरह से करना चाहिए, न कि किसी संप्रदाय के द्वारा झुण्ड में नहीं होना है। लेकिन जिस मार्ग से परमेश्वर ने उसमें आने के लिए कहा, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा और नया जन्म, झुंड की बेदारी। ना ही कलीसिया के जुड़ने से, घर–घर जाकर याचना करना, और पत्रिकाओं को फैलाना; लेकिन एक जन्म, फिर से जन्म लेना, पवित्र आत्मा से भरा होना, परमेश्वर का मार्ग, खुद को दुनिया से आजाद करते हुए। सही है! परमेश्वर के वचन पर विश्वास करते हुए! घडी यहाँ पर है। यही है जो हमें अवश्य ही विश्वास करना है।

38 मनुष्य, तुम कभी नहीं... मैं परवाह नहीं करता कि कितने लोग उस बत्तख के तालाब में जाकर और कहने की कोशिश करेंगे, "अब एक मिनट

रुकना, तुम छोटी बत्तखों, तुमसे बात करने के लिए कोई तप है। हमारे पास यहां एक पढ़ी–लिखी बत्तख है। उसे पीएच.डी. और एक एलएल.डी. की उपाधि मिली है, मैं तुमसे कहता हूं, वह तुम्हारा नेतृत्व कर सकता है।"

39 उन बत्तखों के पास इससे बेहतर समझ है। जी हाँ, श्रीमान। वे उसकी बेहतर शिक्षा की परवाह नहीं करते, चाहे ये कुछ भी हो। वे उसके द्वारा दिए जाने वाले विशेष काँ–काँ की आवाज़ को बता सकते हैं। यह एक प्रकृति है। ओह, परमेश्वर! कलीसिया को परमेश्वर के वचन के बारे में इतना ही जानना चाहिए!

40 यह एक निस्संदेह अस्पष्ट आवाज़ है। बाईबल ने कहा, पौलुस ने कहा, "यदि तुरही अस्पष्ट आवाज़ को देती है, तो कौन स्वयं को युद्ध के लिए तैयार कर सकता है? " यह सही है, यदि कलीसिया—यदि कलीसिया अस्पष्ट को आवाज देती है "जुड़ जाओ।"

41 परमेश्वर ने कहा, "जन्म!" जन्म ने वहाँ जो किया, जन्म आज भी वही करता है, क्योंकि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। जो वो उस समय पर था, आज हैं। उन्होंने जो तब किया, वही चीज हम आज करते हैं। जिस तरह से उन्होंने इसे वहां प्राप्त किया, वही चीज वे आज करते हैं। वही चीज़ जो उन्हें आज मिलती है, वही उनके पास वहां पीछे थी। यदि आती है तो उसी तरह से आती है। यही मार्ग है, परमेश्वर का प्रदान किया हुआ मार्ग। यह कभी भी नहीं बदलता।

42 बत्तख कभी नहीं बदलती। वे पूरी तरह से झुंड में आते हैं, हर वर्ष, उत्तर, दक्षिण और जहां भी वे जाते हैं। वे पहले समूह में होते हैं।

43 इसी तरह से परमेश्वर करता है। वह अपने वचन को ऋतु पर भेजता है, उस ऋतु पर, तब यह प्रकट होता है। और मैं परवाह नहीं करता कि कितनी अन्य चीजें चलती हैं; जब वे उस दिन के लिए प्रतिज्ञा किए गए परमेश्वर के वचन को देखते हैं, प्रमाणित हुआ और प्रतिज्ञा किये हुए, उन्हें कोई भी रोकने वाला नहीं है। "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" और जब उन्होंने कहा...

44 "प्रभु हमारा परमेश्वर मेरे समान एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा," मूसा ने कहा।

45 और जब उन्होंने इस मनुष्य को आते देखा और जो काम उस ने किए, तो वे जान गए कि वह मसीह था। जब फिलिप्पुस ने देखा कि ऐसा हुआ है,

उसने कहा, "तुम मसीह हो। तुम इस्राएल के राजा हो।" वह इसे जानता था क्योंकि वचन ने इसकी प्रतिज्ञा की थी, और यह उस दिन में जी रहा था। कोई फर्क नहीं पड़ता कितने ही फरीसी, सदूकी, धर्मज्ञान के विद्वान, आसपास खड़े थे, ये उसे जरा भी नहीं रोक पाए, क्योंकि वह उस चिन्ह के लिए देख रहा था। जब उसने देखा कि यह हो गया है, तो यह समय का चिह्न था। यही है जिसके लिए वे देख रहे थे, परमेश्वर का मार्ग प्रदान किया गया। जी हां, श्रीमान।

46 अब तुम बतख को शिक्षा नहीं दे सकते। वह इसे नहीं कर सकता। वह इसे नहीं चाहेगा। बाकी की बत्तखें उसके पीछे–पीछे नहीं जायेगी, कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी भी डिग्री तापमान वो बोल सकता है कि उसके पास है। "अब, यहाँ देखिए, मैं बतख के स्कूल में गया हूँ। मैं इसके बारे में सब जानता हूं। मैंने उपाधि को प्राप्त किया है। मैं ये सब बातें जानता हूं।" इससे थोड़ा भी भला नहीं होगा। ना ही उनमें से कोई भी दूसरी बत्तख उसके पीछे–पीछे जायेगी, यदि वे असली बत्तख हैं तो, आमीन, क्योंकि वे एक निश्चित चिन्ह के लिए देख रहे हैं। जब वे उस चिन्ह को देखते हैं, तो वे उस पर विश्वास करते हैं।

47 और यदि बत्तख के पास इसे जानने का कोई तरीका है, तो फिर से फिर से जन्म लेने वाले मसीह के बारे में क्या है? हमें यीशु मसीह को उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानना चाहिए। सही है। परमेश्वर इसे परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए मार्ग से करता हैं।

48 याद रखें, शिक्षा उन्हें परमेश्वर के द्वारा प्रदान किये गये स्थान तक ले जाने का साधन नहीं होगी। उनके पास जो साधन है वह स्वाभाविक है। और वे, वे बत्तखें, जानते हैं कि वह प्राकृतिक उन्हें परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए स्थान पर ले जाएगी।

49 इसी प्रकार पवित्र आत्मा कलीसिया को परमेश्वर के प्रदान किये गये स्थान पर ले जाता है। ना ही किसी कलीसिया में जुड़ना, लेकिन उसकी उपस्थिति से भरा जाना, ताकि उसके वचन को प्रकट, प्रमाणित होते हुए देखे। यही कलीसिया के लिए, हमेशा ही, लोगों के लिए, परमेश्वर के द्वारा प्रदान किया गया मार्ग है, ताकि उन्हें उस स्थान पर ले आये जो परमेश्वर ने उन्हें प्रदान किया है। बिल्कुल यही है जो आज कलीसिया को होना चाहिए। अब, हम जानते हैं कि यह सच्चाई है।

50 ऐसा कोई बेहतर तरीका नहीं है... उन्होंने एक बालक के लिए इससे बढ़कर बेहतर तरीका कभी नहीं पाया कि वह जो चाहता है उसे पाने के लिए रोता है। यदि आप उसे घंटी देते हैं, और कहते हैं, "जूनियर, तुम केवल तीन दिन के हो, लेकिन अब जब तुम चाहो, जब भी तुम अपनी बोतल को चाहते हैं, तो इस घंटी को उठाकर और इसे बजाना," देखें कि क्या यह काम करता है। यह काम नहीं करता है। बालक जो चाहता है उसके लिए रोता है। यही परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग है। आप जितना जोर से रोयेंगे... छोटे बालक को पीटो मत, वो तो केवल परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए मार्ग का अनुसरण कर रहा है। वह कुछ तो चाहता है। यह सही बात है। ये केवल एकमात्र तरीका जो वो जानता है कि मां को बुलाये; इसके लिए चिल्लाये, इसके लिए रोये। यह सही बात है।

51 परमेश्वर अपने बच्चों के लिए इसकी सिफारिश करता है। परमेश्वर उसके विश्वास करने वाले बच्चों के लिए इसकी सिफारिश करता हैं। उसने किया। ना ही बौद्धिक प्रचार, ना ही कोई बड़ा धर्मज्ञान, पढ़ाने के लिए धर्मज्ञान। वह चाहता है कि आप अपनी आवश्यकताओ के लिए रोये। और यह सही है, इसके लिए रोये! आप बहुत कठोर और रूखे हो, आपको ये कभी भी नहीं मिलेगा। यदि आप अपने आप को जरा लचीला करने के लिए तैयार है और रोने के लिए, तो परमेश्वर आपको इसे दे देगा। वो अपने बच्चों के रोने के सुनने को पसंद करता है। अपनी आवश्यकताओं के लिए परमेश्वर के सामने रोओ! परमेश्वर यही चाहता है। यही उसका प्रदान किया गया मार्ग है। इसके लिए रोओ! इसी तरह से बालक रोता है; इसी तरह से वह चाहता है कि आप रोएं।

"कब तक रोये?"

52 बालक कितनी देर तक रोता है? जब तक वो संतुष्ट नही हो जाता। और इसी तरह से विश्वास करने वाले मसीह को करना चाहिए, परमेश्वर की सन्तान को। यदि आप देखते हैं कि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा किया है, तो इसे मत छोड़ो, इसका जवाब मिलने तक रोओ। रोओ जब तक आप परमेश्वर को अपने वचन को प्रमाणित करते देख ना लो। जब परमेश्वर अपने वचन को प्रमाणित करता है, और इसे यहाँ साबित करता है, तब आपको और रोने की आवश्यकता नहीं है; आपको मिल जाता है, चले जाओ और इसके लिए उसे धन्यवाद दो। तब तक आप ऐसा करो, चिल्लाते रहो जब तक आप इसे पा नहीं लेते। मैं इसे पसंद करता हूं, लगातार पकड़े रहे।

53 ना ही संकरित पौधा, ना ही जिसकी देखभाल करना है और थपथपाया जाना है और चारों ओर बंधे रहे। मसीह लोग वास्तविक है, सच्चा, जन्म, परमेश्वर के लेख हैं। वे अपने स्थान के लिए लड़ते हैं, और तब तक लड़ते हैं जब तक वे इस धरती पर पूरा नहीं कर लेते। इसका हर एक कदम एक लड़ाई होता है।

54 परमेश्वर ने मूसा को बताया कि उसने उसे देश को दिया है। उसने यहोशू से कहा, "जिस जिस स्थान पर तुम पांव या तलवो को धरोगे, मैं तुम्हें दे देता हूं।" उन्हें इसके हर एक इंच के लिए लड़ना था। वैसे ही हमें इसके हर इंच के लिए लड़ना हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे लाड़– प्यार किया जाए, और इस तरह के इर्द–गिर्द, और कहें, "ठीक है, मैं तुम्हें वहां ले जाऊंगा, देखो कि तुम इसके बारे में क्या सोचते हैं। तुम अपनी राय बताओ।" यह कोई आने का मार्ग नहीं है।

55 दृढ़ निश्चय के साथ आओ। इसके साथ आये कि आप वही बने रहने वाले हो जब तक ये पूरा ना हो जाए। वहीं बने रहें जब तक कि परमेश्वर उत्तर नहीं देता और प्रमाणित नहीं करता। एक मनुष्य जो परमेश्वर में विश्वास करता है, परमेश्वर की उपस्थिति को देख सकता है, परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस कर सकता है, परमेश्वर की उपस्थिति को अनुभव करता है, और जानता है कि वह यहाँ है। वह यहाँ है उन सभी बातों का उत्तर देने के लिए जिसकी उसने इस दिन के लिए प्रतिज्ञा की थी। फिर, जब तक आप इसे पा नहीं लेते तब तक रोये! उसे पकडे रहो। छोड़ कर मत जाओ, यदि आपको रात और दिन रुकना पड़े। परमेश्वर नहीं चाहता कि उसके बच्चे बौद्धिक प्रचार को सुनें। वह चाहता है कि वे इसके लिए पुकार उठे, जब तक प्रतिज्ञा प्रमाणित नहीं हो जाती।

56 यहाँ अब्राहम को बलिदान की आवश्यकता थी। क्या हुआ? परमेश्वर ने उसे एक मेमना प्रदान किया। यह परमेश्वर का प्रदान किया हुआ मार्ग था। उसे एक बलिदान की आवश्यकता थी, इसलिए परमेश्वर ने इसे प्रदान किया। बाद में, उसने उस स्थान का नाम *यहोवा यीरे* रखा, "प्रभु अपने लिए बलिदान को प्रदान करेगा।"

57 अब, अय्यूब, एक बार, पुराना भविष्यव्यक्ता, अय्यूब। वह एक भविष्यव्यक्ता था। वह तकलीफ में चला गया था। शैतान ने चाह कि उसकी परीक्षा ले, और उस ने उसे फोड़े दे दिए। और उसने उसके बच्चो को ले

लिया, उस ने उसकी पूंजी ले ली, उस ने उसका सब कुछ ले लिया, और उसने उसे फोड़े दे दिए।

58 और उसको शान्ति देनेवाले आए, उन्होंने क्या किया? उन्होंने उपहास के आलावा कुछ भी नहीं दिया, उसे छेड़ा, कहा, "क्योंकि, तुमने गुप्त में, पाप किया है।"

59 और अय्यूब ठीक उस पर डटा रहा। वह चिल्ला उठा। उसे यकीन था कि वह परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन कर रहा है। उसने बिल्कुल ठीक वही किया जो परमेश्वर ने करने की प्रतिज्ञा की थी। परमेश्वर ने उससे क्या प्रतिज्ञा की थी, कि वह होम–बलि के नीचे, उसके साथ बना रहेगा, और वह वहीं बना रहा।

60 तो, परमेश्वर ने उसे एक दर्शन को प्रदान किया। वह एक भविष्यव्यक्ता था। उसने क्या देखा? उसने वचन को देखा, यीशु मसीह। उसने बोला, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। और अंत के दिनों में, वह धरती पर खड़ा होगा। चाहे खाल को नष्ट करने वाले कीडे इस शरीर का नष्ट भी कर दें, फिर भी इसी देह में होकर मैं परमेश्वर को देखूंगा।" देखो, उसने उसके लिए पुनरुत्थान का दर्शन प्रदान किया। वह एक भविष्यव्यक्ता होने के नाते, उसने वचन को देखा। उसने वचन को देखा और वह जानता था कि अंतिम दिन में उसकी हड्डियाँ और उसका शरीर फिर से जी उठेगा। उससे प्रश्न किया गया कि क्या वह जानता है कि परमेश्वर कहां था, यदि वह केवल देख सकता।

61 उसने बोला, "एक फूल मरता है, वह फिर से उगता है; एक पेड़ नीचे जाता है, वह फिर से ऊपर आता है; लेकिन एक को नीचे गाड़ा जाता है और वो प्राण को छोड़ देता है, वह नष्ट हो जाता है, वह कहां पर होता है? भला होता कि तू मुझे कब्र में छिपा रखता, और जब तक तेरा क्रोध शान्त न हो तब तक मुझे गुप्त स्थान में रखता।"

62 तब जोर से गर्जनाए होने लगती हैं, बिजलियां चमकने लगती हैं, प्रभु का आत्मा भविष्यव्यक्ता पर उतरता है। और वह खड़ा हो गया, और उसने प्रभु के आगमन को देखा, और वह चिल्लाया, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अन्तिम दिनों में वह धरती पर खड़ा होगा। चाहे खाल के कीड़े भी इस शरीर को नष्ट कर दें, मैं अपने देह में परमेश्वर को देखूंगा।"

परमेश्वर ने वचन को प्रदान किया, यीशु मसीह, और उसने उसे देखा और उसे अपना छुड़ानेवाला कहा।

63 इस्राएल को मिस्र से निकलने के लिए एक मार्ग की आवश्यकता थी, और परमेश्वर ने उन्हें एक भविष्यव्यक्ता को प्रदान किया, एक भविष्यव्यक्ता जिसने वचन को प्रमाणित किया जिसकी अब्राहम से प्रतिज्ञा की गई। बिल्कुल, परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग! वे एक योध्दा को प्रशिक्षित नहीं कर सकते थे, वे *ऐसा* नहीं कर सकते थे, वे *वैसा* नहीं कर सकते थे। केवल एक चीज जो उन्होंने की वह थी परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए मार्ग की प्रतीक्षा करना। और उसने बताया, कहा, "वह चार सौ वर्ष बाद उन लोगों को बाहर निकालेगा। उसके लोग बंधुवाई में होंगे, लेकिन वह उन्हें बलवन्त हाथ से निकाल लाएगा। वह अपने चिह्न और अद्भुत कार्य को दिखाएगा, और उस देश में महिमा को पाएगा।"

64 यहाँ वह मनुष्य नीचे आता है, जब रोने लगे और रोने लगे! और अब याद रखना, उनका सारा रोना–धोना उन्हें नहीं छुड़ायेगा, जब तक वह समय पूरा नहीं हुआ था।

65 ये चीजें जो हम आज देख रहे हैं, बीस वर्ष पहले या चालीस वर्ष पहले नहीं हो सकती थी। ऐसा आज घटित होता है। यह वो समय है! यह वो समय है! अब समय आ गया है कि इसे पूरा होना है। क्यों? परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है, और यहाँ है ये।

66 उन्होंने सौ वर्ष पहले कहा, कि, "पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दोबारा नहीं हो सकता है।" उन्होंने पचास वर्ष पहले कहा, "पवित्र आत्मा... " लेकिन आप पेंटीकोस्टल लोगों ने उन्हें साबित किया, कि यह पवित्र आत्मा के उंडेले जाने का परमेश्वर का समय था। कोई फर्क नहीं पड़ता मेंथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन ने कुछ भी कहा हो, आप ठीक परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे। साहसी पुरुष वहाँ पर गए और तब तक पकडे रहे जब तक कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं आ गया, और उन्होंने अन्य भाषा में बोला और परमेश्वर को ऊँचा उठाया। कोई भी आपको अलग नहीं बता सकता। परमेश्वर उसका खुद का अनुवादक है; आप इसे समझ लिया है। आप हो सकता है इसे समझा नहीं सकते हो, लेकिन आप जानते हैं कि आपने इसे समझ गया है। कौन परमेश्वर को समझा सकता है? यह कोई नहीं कर सकता।

67 मैं आपको यह नहीं बता सकता कि परमेश्वर दर्शन कैसे दिखा सकता है, लेकिन मैं जानता हूँ कि ऐसा होता है। मैं नहीं देख सकता कि परमेश्वर कैसे इन चीजों को कर सकता है। इसे समझाना मेरा काम नहीं है। वह, अकेला बना रहता है। वह एलोहीम है, जो एक खुद में काफी है। मैं तो सिर्फ उसका सेवक हूं। मैं जानता हूँ कि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है, और मैं जानता हूं कि यह यहाँ है। यही एक बात है जिसे मैं जानता हूं। मैं यह जानता हूँ, कि वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। मैं जानता हूँ कि उसने यह प्रतिज्ञा की किया था, और परमेश्वर यहाँ है ताकि अपनी प्रतिज्ञा को सच्चा करे। जी हां। परमेश्वर का प्रदान किया मार्ग!

68 इस्राएल को एक भविष्यव्यक्ता प्रदान किया गया, जिसने वचन को प्रमाणित किया, और वे बाहर लाए गए थे। यह भविष्यव्यक्ता, मूसा, वह बहुत वर्षों तक जंगल में रहा, चालीस वर्ष, इन लोगों के साथ संघर्ष कर रहा था, उन्हें सँभालने की कोशिश कर रहा था जब तक कि वह उन्हें प्रतिज्ञा किये गए देश में नहीं ला पाता है। ये एक स्थान पर आया, जहाँ मनुष्य को मरना था; वह एक सौ बीस वर्ष का हो गया था। उसके मरने के लिए कोई स्थान नहीं था। जब वह मरने पर हुआ, तब परमेश्वर ने उसके लिए एक चट्टान को प्रदान किया; वह चट्टान जिसे उस ने जंगल में प्रहार किया था, वह चट्टान जो उनके साथ–साथ थी, और जिसमें से उन्होंने जल पीया था। परमेश्वर ने उसे एक चट्टान प्रदान की, मरने के लिए एक स्थान, जहाँ मूसा एक अच्छी मृत्यु मर सके।

69 इस चट्टान पर, परमेश्वर, मुझे उसी चट्टान पर मरने दो! यही है जहाँ मैं चाहता हूं। वह चट्टान मसीह यीशु था। जी हां, श्रीमान।

70 उसके मरने के बाद, उस चट्टान पर, उसे देह को उठाने वाले की जरूरत थी। परमेश्वर ने उसके लिए दूतों का एक झुंड भेजा। उसके प्राचीनो का झुंड क्यों नहीं भेजा? क्योंकि दूतों के अलावा कोई उसे वहाँ नहीं ले जा सकता था, जहाँ वह जा रहा था। वे उसे परमेश्वर की उपस्थिति में लेकर आये, उसे देह को उठाने की आवश्यकता थी और परमेश्वर ने उसे प्रदान किया। वह परमेश्वर के प्रदान किये गये मार्ग पर चला गया। हाल्लेलुय्या!

71 हनोक परमेश्वर के साथ पांच सौ वर्ष तक चला, और उसने उसे प्रसन्न किया। उसे घर जाने के लिए एक राजमार्ग की आवश्यकता थी। परमेश्वर ने इसे प्रदान किया।

72 एलिय्याह ने ईजाबेल को उसके रंगे हुए चेहरे के लिये शाप दिया था, और अपने तरीके से वो सभी लोगों को करवा रही थी। और वह थका और उकता गया था, और घर जाने के लिए लगभग तैयार था। वह इतना बूढ़ा हुआ था कि वह मुश्किल से यरदन के पार चलकर जा सकता था; परमेश्वर ने उसे यरदन पार करने का एक मार्ग प्रदान किया। वह ऊपर स्वर्ग में जाना चाहता था, ताकि परमेश्वर से मिल सके; परमेश्वर ने आग के रथ और घोड़ों को नीचे भेजा, और उसे ऊपर उठा लिया। परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग। परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग। वह हमेशा बिल्कुल सही–सही करता है। सही है। जी हां, श्रीमान। परमेश्वर हमेशा एक मार्ग को प्रदान करता है। जी हाँ।

73 जब ज्ञानी पुरुष, बाबुल में ऊपर से उनके मार्ग पर थे, तब वे एक मार्ग के लिए देख रहे थे, जिस से वे वहां जाना चाहते थे, क्योंकि वे जानते थे कि इस राजा का जन्म होना था। उन्हें एक दिशा सूचक यंत्र की आवश्यकता थी; परमेश्वर ने एक तारा प्रदान किया। उन्होंने बाकी की हर एक चीज को पीछे छोड़ दिया। उन्हें दिशा सूचक यंत्र की आवश्यकता नहीं थी; उन्होंने तारे का अनुसरण किया। यह परमेश्वर का प्रदान किया हुआ मार्ग था। परमेश्वर ने एक मार्ग को प्रदान किया, उन्होंने तारे का अनुसरण किया जब तक उन्हें सिद्ध प्रकाश नहीं मिल गया। ओह!

74 दुनिया को एक दिन एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता थी। वे नाश हुए थे; वे इसे नहीं जानते थे। उन्होंने सोचा कि वे बचाए गए हैं, लेकिन उन्हें एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता थी। परमेश्वर ने उद्धारकर्ता के लिए, एक पुत्र को प्रदान किया। क्यों? कोई और इसे नहीं कर सकता था। धरती पर कोई मनुष्य नहीं था, ना ही स्वर्ग में कोई भी था, कहीं भी कोई ऐसा करने में समर्थ नहीं था। परमेश्वर ने एक कुंवारी पर छाया की, वह गर्भवती हुई और एक पुरुष–बालक को जन्म दिया। और वह मनुष्य–बालक यहूदी या अन्यजाति नहीं था। वह परमेश्वर था, जो देह में प्रकट हुआ, एकमात्र वही जो छुटकारा दे सकता था। उसका लहू हमें बचाता है। उसका लहू हमें चंगा करता है। यह वो लहू है जिस पर हम खड़े रह सकते हैं, किसी भी प्रतिज्ञा के लिए जो उसने की थी। परमेश्वर ने इसे करने की प्रतिज्ञा की।

75 परमेश्वर केवल लहू में से होते हुए, और लहू के नीचे आराधना करने वालो से मिलता है। इस्राएल के पास परमेश्वर से मिलने का एक स्थान था। ना ही... आज परमेश्वर के पास एक स्थान है, कि वह—वह आराधना

करने वालो से मिलता है; ना ही मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, या पेंटेकोस्टल पर। वह उनसे लहू के नीचे मिलता है। परमेश्वर के पास केवल यही एक प्रदान किया गया स्थान है; ना ही संगठन में, ना ही संघ में। लेकिन लहू में वह स्थान है जहाँ यीशु मसीह अपने आराधना करने वालो से मिलता है। "जब मैं लहू को देखता हूँ!" यही परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग है।

76 कलीसिया को पूरी तरह से यकीन हो जाने के बाद, जब उन्होंने उसे देखा, कि वह मसीहा था!

77 जब छोटी स्त्री कुएँ पर, जब उसे एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता थी, उसे आवश्यकता थी कि कुछ तो दिखाए। वह कलीसिया गई थी और बाकी सब कुछ किया था, और उन्होंने इस मत–सिद्धांत और उस मत–सिद्धांत को देखा था, इतना तक, वह एक वेश्या बन गई। इसने उसे सड़क पर ला दिया। एक दिन वह दिन के लगभग ग्यारह बजे एक बाल्टी पानी लेने जा रही थी, और वहां एक मनुष्य बैठा हुआ है; यहाँ ऊपर एक यहूदी, इस छोटे से परिदृश्य पर। और उसने कहा...

78 जब वह पानी लेने के लिए अपनी बाल्टी हवा में, उछाल कर नीचे गिराने लगी, उसने एक पुरुष को कहते सुना, "महिला, मेरे लिए पीने का पानी लाना।" और उसने कहा...

79 वह जल्दी से मुड़ी, और उसे बस एक साधारण सा यहूदी सोचकर, क्योंकि जहां तक शरीर का संबंध है, वह केवल मनुष्य था। वह एक मनुष्य था; खाता, पीता, सोता था, जैसे हम करते हैं। वह इतना अधिक मनुष्य था इतना तक वो मार सकता था, और फिर भी वह परमेश्वर था। तब हम देखते है, कि जब...

80 कहा "तुम यहूदियों में सामरी लोगों से इस प्रकार की चीजे मांगने की प्रथा नहीं है।"

81 उसने कहा, "लेकिन यदि तुम जानती कि तुम किससे बात कर रही हो, तो तुम मुझसे पीने के लिए मांगती।" कहा, "जाओ अपने पति को लेकर और यहाँ आओ।"

स्त्री ने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

82 कहा, "तूने सच कहा। तेरे पास पाँच हैं, और जिसके साथ तू अभी रह रही हैं वह तेरा नहीं है।" क्या हुआ? परमेश्वर ने उसके लिए कुछ तो प्रदान किया था।

83 उसने कहा, "श्रीमान, मैं यकीन करती हूं कि आप भविष्यव्यक्ता हैं। हम जानते हैं कि जब मसीह आएगा, तो वह हमें इन बातों को बताएगा। यही है जो वो करेगा। वचन ऐसा कहता है। हम इसके लिए देख रहे हैं। मैं इन सब चीजों से ऊब चुकी हूँ और थक चुकी हूँ, उनके मत–सिद्धांत और चीजो से, फरीसी, सदूकी और हेरोदियन, जो कुछ भी हो। लेकिन हम जानते हैं कि एक मसीहा आने वाला है, जब वह आता है। आप इसके बारे में क्या कहते हैं? "

84 उसने बोला, "मैं वो हूं।" आमीन! परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग था। उसने पानी के घड़े को छोड़ दिया, एक बदली हुई स्त्री, और शहर के अंदर भागने लगी, और कहा, "आओ, एक मनुष्य को देखो, जिसने मुझे वे बातें बताईं जो मैंने की हैं। क्या यह मसीहा नहीं है? "

85 पतरस, अन्द्रियास की कहानी को सुन रहा था, और बहुत बार सुन चुका था, अन्द्रियास को सुना था कि यूहन्ना के द्वारा एक मसीहा, और एक मनुष्य के परिचय को करवाना, और ये सब चीजे जगह ले रही थी। पतरस के लिए यह सब रहस्य था। लेकिन एक दिन वह अन्द्रियास के साथ यीशु को देखने आया। और जब वह यीशु की उपस्थिति में आया, तो यीशु ने उस की ओर देखा, और उसने कहा, "तुम्हारा नाम शमौन है, और तू योना का पुत्र हैं।" परमेश्वर ने पतरस को मार्ग प्रदान किया था कि वो देखे वह कौन था। वो वह मसीहा था।

86 अब हम देखते हैं, कि यीशु के मरने के बाद, और स्वर्ग में ऊपर उठाये जाने के बाद, कलीसिया को गवाही देने के लिए, सामर्थ की आवश्यकता थी। परमेश्वर उन्हें एक पेंटीकोस्ट देता है। उसने एक पेंटीकोस्ट को प्रदान किया।

87 दो हजार वर्ष बीत गए, मित्रो। दो हजार वर्ष बीत चुके है। इन अंतिम दिनों में, हमारे पास ऐसा है, मनुष्य मसीहत के मत सिद्धांत के अंदर में आ गया है और इसका फिर से बिगाड़ कर दिया है, इसे मत के सिद्धांत, कलीसियाओ, संप्रदायों, बौद्धिक बड़े–बड़े शब्दों में संकरित कर दिया है, इतना तक कि मसीह के सुसमाचार की सामर्थ और वास्तविक चीज को व्यावहारिक रूप से खो दिया है। और यहां हम इन अंतिम दिनों के प्रतिज्ञा किये वचन के साथ हैं, क्या घटित होगा, क्या बात जगह लेगी; मनुष्य इस पर विश्वास नहीं करता। वे इससे दूर चले गए हैं। आप उनसे पूछते

हैं कि क्या वे एक मसीही हैं; कहते है, "मैं *फलाना–फलाना* से संबंध रखता हूं।" इससे जरा भी मतलब नहीं रखता है। आपको जन्म के द्वारा मसीही होना है। अब हम सब कुछ दो हजार वर्ष के बाद, फिर से बाबुल में पहुंच गए हैं।

88 कलीसिया को आज फिर से सामर्थ और सच्चाई की आवश्यकता है। ओह! परमेश्वर ने अपने पुत्र को जिलाया, कि इसका ध्यान रखा जाए, क्योंकि उसने कहा, "थोड़ी देर रह गई है और संसार मुझे फिर नहीं देखेगा; तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूंगा।" हम इब्रानियों 13:8 में देखते है, "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

89 हम मलाकी 4 में देखते हैं, कि उसने हमें अंत के दिनों में एक संदेश की प्रतिज्ञा की थी, ऐसा होगा "लोगों के परमेश्वर को फिर से पूर्व पिताओ की ओर लौटायेगा।" उसने अंतिम दिनों में, इसकी प्रतिज्ञा की।

90 उसने यह भी प्रतिज्ञा की, यूहन्ना 14:12 में, "जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा। यहाँ तक वह इससे बढ़कर या इससे भी बड़ा काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।"

91 वह एक दिन बोल रहा था। उन्होंने कहा, "गुरु, हमें एक चिन्ह दिखाओ।"

92 उसने कहा, "एक दुर्बल और व्यभिचारी पीढ़ी एक चिन्ह के पीछे जाती है।" आज हम इसी पीढ़ी में रह रहे हैं। उसने कहा, "और मैं उन्हें एक चिन्ह दूँगा। क्योंकि योना तीन दिन और तीन रात व्हेल मछली के पेट में रहा था, वैसे ही मनुष्य का पुत्र भी तीन दिन और तीन रात धरती के, ह्रदय में रहेगा।"

93 एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी किस प्रकार के चिन्ह के लिए देखेगी? पुनरुत्थान का चिन्ह। और आज हमसे यही प्रतिज्ञा की गयी है, पुनरुत्थान का चिन्ह कि वह आज भी जीवित है, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

94 उसने कहा, "जैसा ये लूत के दिनों में हुआ था," जैसा कि हम कल रात इसमें से होकर बताया था। "लूत के दिनों में, जो कुछ लूत के दिनों में हुआ, वैसा ही ये मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" इन बातों की हमें प्रतिज्ञा की गयी है, और भी बहुत से वचन है। समय को बचाने के लिए...

"थोड़ी देर रह गई है संसार मुझे और नहीं देखेगा। *कॉसमॉस,* 'व्यवस्था, कलीसियायी काल,' वे मुझे अब और नहीं देखेंगे। फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम्हारे अंदर रहूंगा, युग के अंत तक।" "यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।" यह क्या है? यह परमेश्वर का प्रदान किया हुआ चिह्न है, परमेश्वर का प्रदान किया हुआ मार्ग है।

95 अब्राहम पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा है। अन्यजातियों के विनाश से पहले जो अन्तिम चिन्ह उसने देखा, वह परमेश्वर का मनुष्य शरीर में प्रकट होना था, जब सारा तम्बू में थी, तब वह उसके ह्रदय के भेदों को जानता था। यीशु ने कहा, "मनुष्य के पुत्र के आने पर वह फिर से लौटेगा।" भाई, बहन, मेरा विश्वास है कि हम उस दिन में जी रहे हैं। मैं विश्वास करता हूं कि यह प्रतिज्ञा का दिन है।

96 आप जो कर रहे हैं उसमें आपके पास विश्वास होना है। यदि आपके पास विश्वास नहीं है, यदि आप इसे केवल साहस से ले रहे हैं... वेबस्टर शब्दकोष के अनुसार, शब्द *साहस* का अर्थ है, "बिना अधिकार के साहसिक कार्य करना।" लेकिन जब वचन इसकी प्रतिज्ञा करता है, और परमेश्वर उस वचन के पीछे खड़ा होता है, तो आप अब और साहस नहीं कर रहे होते हैं। आप बिल्कुल वही कर रहे हैं जो परमेश्वर ने कहा है, और उसका समर्थन करने के लिए कार्य बद्ध है।

97 महान, प्रसिद्ध, एक—एक बेदारी करने वाला, बहुत वर्ष पहले, मैंने उसे देखा था जब मैं एक छोटा लड़का था, जो पॉल राडार था। उसने एक दिन एक कहानी बताई, जो हमेशा मेरे साथ रही। उसने कहा, "एक दिन, हम लकड़ी काट रहे थे।" वह ओरेगन में एक लकड़हारा था, और कहा कि मालिक ने उसे पहाड़ी की चोटी पर जाने के लिए कहा था। वह सपना देख रहा था। जहां वह वास्तव में था, उस समय, वह वहां द्वीपों में था; और उसे बुखार हो गया, बहुत ही गरम हो गया, और वह मर रहा था। वे एक डॉक्टर के लिए गए, लेकिन वह मीलों और मिलो दूर था, छोटी सी नाव से।

98 इससे पहले कि डॉक्टर वहाँ पहुँच पाता, पॉल का फीका पड़ने लगा, बीमार और बीमार हो गया। उसने अपनी विश्वासयोग्य पत्नी को बुलाया।

उसने कहा, "प्रिय, कमरे में अंधेरा होता जा रहा है, अंधकार होता जा रहा है, बंद हो रहा है।" और वह फिर से कोमा में चला गया।

99 और जब उसने किया, उसने कहा कि जब वह इस कोमा में था, उसने सपना देखा कि उसके मालिक ने उसे एक किसी एक पेड़ को काटने के लिए भेजा। उसे पेड़ मिल गया, उसने पेड़ को गिरा दिया, उसमें अपनी कुल्हाड़ी को फंसाया और उसे उठाने के लिए नीचे गया। वह बस इसे उठा नहीं सका। कहा कि उसकी शक्ति खत्म हो गई है। वह बस इसे उठा नहीं सका। उसने कहा, "वो पेड़ इतना ही बड़ा है, निश्चित रूप से मैं उसे उठा सकता हूं। मुझे फिर से कोशिश करने दें।" और वह नीचे उतरा और उसने उठाया, उसने तब तक मेहनत की जब तक वह थक नहीं गया था। वह पेड़ के पास बैठ गया, और बोला, "मैं बस नहीं जानता कि मैं क्या करूं। मालिक को इस पेड़ वहां डेरे में इसकी जरूरत है, और मैं इसे वहां तक ले जाने के लिए बहुत कमजोर हूं।"

100 कहा कि उसने अब तक की सबसे मधुर आवाज सुनी, जिसने बोला यह उसका मालिक था; लेकिन कहा, जब वह यह देखने को पीछे मुड़ा कि उसका मालिक कौन है, तो वह प्रभु यीशु था। उसने कहा, "पॉल, तुम किस बारे में लड़ रहे हो? तुम किस बात से पूरी तरह से घबाराए हुए हो? तुम देख रहे हो कि वहां पानी बह रहा है?" कहा, "तुम लकड़ी के लट्ठे को नदी में क्यों फेंककर, और उस पर सवार क्यों नहीं हो जाते? इस पर सवार होकर डेरे की ओर चले जाओ।"

101 वो उस लकड़ी के लट्ठे पर कूद गया और लहरों पर और ऊपर से नीचे होने लगा, और जोर की आवाज़ से चिल्लाने लगा। "मैं उस पर सवारी कर रहा हूँ! मैं उस पर सवारी कर रहा हूँ!"

102 भाइयों, बहनों, यीशु मसीह ने अंतिम दिनों में इन बातों को पूरा करने की प्रतिज्ञा की है। मैं विश्वास करता हूं कि हम यहां पर रह रहे हैं। मेरा विश्वास है कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। मैं नहीं जानता कि यह कैसे हुआ, लेकिन मैं इस पर सवारी कर रहा हूं। मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है, क्योंकि यह सुसमाचार है, परमेश्वर के द्वारा प्रदान किया गया मार्ग है। मैं विश्वास करता हूं कि यह इस घडी का संदेश है, जिस समय में हम जी रहे हैं। यह परमेश्वर के द्वारा प्रदान किया गया मार्ग है। मैं इस पर सवारी कर रहा हूँ!

क्या आप मेरे साथ नहीं कूदेगे, जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं?

103 स्वर्गीय पिता, हम आपके वचन पर महिमा में सवारी कर रहे हैं। हम विश्वास करते हैं कि आपका वचन सच्चा है। हे परमेश्वर, होने पाए हर एक पुरुष और स्त्री, आज रात वचन पर चढ़ जाए, और याद रखें, जैसे वे यात्रा में से होते हुए आगे जाते हैं, वे अंगीकार कर सकते हैं, "मैं परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर सवारी कर रहा हूं। यह मुझे सीधे महिमा के अंदर ले जाएगा। यह आज मेरे लिए परमेश्वर के द्वारा प्रदान किया गया मार्ग है। 'यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।'"

104 आपने कहा, "थोड़ी देर रह गई है और संसार मुझे फिर न देखेगा, तौभी तुम मुझे देखोगे; क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूंगा।" आपने हमसे प्रतिज्ञा की है, प्रभु, हम आपको देखेंगे।

105 यूनानियों ने, एक बार आकर कहा, "महोदय, हम यीशु को देखना चाहते है।" और उन्हें यह सौभाग्य प्रदान किया गया था। और आज रात, प्रभु, हम भी आपको देखना चाहते हैं। यह हमारे ह्रदय की इच्छा है। कोई भी आपके विषय में कभी नहीं सुन सकता है, जब तक वे आपको देखना नहीं चाहते। तब यदि इन यूनानियों को तुझे देखने की अनुमति दी गई, और आपने हमें आपको देखने का मार्ग प्रदान किया है, आप हमेशा मार्ग को बनाते हैं क्योंकि आप कल, आज और हमेशा एक से हैं। एक सेवक ने इन यूनानियों को आपके उपस्थिति में लाया, और वे उन्होंने आपको देखा। आज रात हमें उसी सौभाग्य को प्रदान करें, पिता। होने पाए हम, सेवकों के रूप में, इस श्रोतागण को आपकी उपस्थिति में लायें। और होने पाए हम आज रात यीशु को देख पाए, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। इसे प्रदान करो, प्रभु।

106 खोए हुए को बचाये, प्रभु, यदि वहां ऐसा कोई पुरुष, महिला, लड़का या लड़की है। जब हम अपने देश को देखते है जो हत्यारों और गला काटने से, और उलट–पुलट से इतना दूषित हुआ हैं, और आज देश में भ्रष्टाचार को देखना! और कलीसियाओं में भ्रष्टाचार को देखना, और उन्हें वहाँ ऊपर दुनियाई वध करने की ओर ले जाते हुए देखना, क्योंकि वे परमेश्वर के द्वारा प्रदान मार्ग पर नहीं जा रहे हैं! वे वचन के द्वारा आने के बजाये किसी मत–सिद्धांत के मार्ग पर चल रहे हैं।

107 परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि सच्चे, वास्तविक, जन्म पाए हुए मसीही, जैसा कि मैंने इसे उदाहरण से स्पष्ट किया, वास्तविक बत्तख बनने के द्वारा, वे... "मेरी भेड़ मेरी आवाज को सुनती हैं, वे एक अजनबी के पीछे नहीं चलेंगी।" प्रभु, आपकी आवाज़ वचन है। यह हमेशा ही कलीसिया और लोगों के लिए आपका प्रदान किया गया मार्ग रहा है, जो आपका वचन है। "तेरा वचन सत्य है।" और आप वचन हैं। और बाईबल हमें बताती है, "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी अधिक तेज है, ह्रदय के विचारों और इरादों का एक परखने वाला।"

108 इस्राएल उनके मसीहा को क्यों नहीं देख पाए, जब उन्होंने देखा कि वो वह वचन था, जबकि वो उनके ह्रदय में के विचारो को परख सकता था? उन्होंने क्यों नहीं देखा? उन्होंने इसे भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा समझा, कि भविष्यद्वक्ता कर सकते थे; लेकिन जब परमेश्वर की परिपूर्णता उसके पुत्र में बनी, और वह हमारे बीच में रहा था, तब वे इसे देखने से चुक गए, क्योंकि वे अन्धे हो गए थे।

109 प्रभु, जिनकी आंखें खुली हुई हैं, आज रात होने पाए हम यीशु को अपने बीच में देखे। होने पाए हर एक बीमार व्यक्ति चंगा हो जाए। होने पाए यह इसका समाधान करें, प्रभु, कि वे इस घडी से आगे कभी नहीं, और नहीं करेंगे... लेकिन वे विश्वास करेंगे कि आप ही मसीहा है। वे परमेश्वर के मार्ग में आ रहे हैं। उनमें से बहुत से आज रात यहां पर है, मर रहे हैं। यहाँ आज रात बहुत से लोग हैं, जो शायद आज से एक हफ्ते बाद यहाँ नहीं होंगे, यदि आप, आपकी सहायता नहीं आती है।

110 अब, पिता, आपने जो प्रतिज्ञा की है उसके लिए आप ही उत्तरदायी हैं। लेकिन आपने प्रतिज्ञा की थी कि हम आपको देखेंगे। आपने प्रतिज्ञा की थी कि जो आपने किया वह हम भी करेंगे। यह वो समय है। मैंने इसे अंगीकार कर लिया है; मैं इसे विश्वास करता हूं। मैंने सुना है आप ऐसा कहते हैं; आपका वचन ऐसा कहता है। आप इसकी पुष्टि करते है। मैं जानता हूं यह सच है। अब यह जान लें, प्रभु। यह लिखा गया है, अब इसे परमेश्वर के राज्य के खातिर पूरा होने दो। आमीन।

111 मैं विश्वास नहीं कर रहा हूं कि हम प्रार्थना पंक्ति बुलाने जा रहे हैं। मैं सोचता हूं कि मैं इसका ठीक यहीं से उपयोग करूंगा।

112 आप में से कितने लोग बीमार हैं? अब आप... आप अपने हाथ को पकड़ रहे हैं, ये बता रहे हैं कि आप बीमार हैं।

113 आप में से कितने लोग एक ही बात को बतायेगे, "भाई ब्रंहम, मैं वास्तव में बचाया नहीं गया हूं"? क्या आप हाथ को ऊपर उठायेंगे, "मेरे लिए प्रार्थना करें"? परमेश्वर आपको, आपको आशीष दे। यह अच्छी बात है। यही है... परमेश्वर आपको आशीष दे। "मैं बचाया हुआ नहीं हूँ।"

114 अब, आप लोग जिन्होंने अपने हाथ उठाए है, और आप लोग जिन्होंने नहीं उठाए, "लेकिन, भाई ब्रंहम, वास्तव में मैं बचना चाहता हूं। यही मेरा ह्रदय है। मैं विश्वास करता हूं कि दुनिया में किसी के लिए कुछ भी नहीं बचा है।" आप और क्या हासिल कर सकते हैं, आपके उद्धार से बढ़कर और क्या होगा? "मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं बचना चाहता हूं।" क्या आप अपना हाथ ऊपर उठाएंगे, पूरी ईमारत पर, हर कहीं, "मैं चाहता हूँ... "?

115 आप में से कितनों ने पवित्र आत्मा को नहीं पाया है, कहेंगे, "मैं जानता हूं कि मुझे इसे पाना अवश्य है"? अपने हाथ को ऊपर उठाये। "मैंने नहीं पाया है; मैं यह चाहता हूं।" तो ठीक है, अब भी बहुत से ऐसे है जिनके पास नहीं है।

116 अब, मसीह अपने वचन को पूरा करता है, और आपको उस पर अपने विश्वास को बनाए रखना है। वो वचन है। अब, इब्रानियों के 4थे अध्याय ने कहा कि, "परमेश्वर का वचन, " जो कि मसीह है। मसीह वचन है। तुम सब यह जानते हो? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह वचन है, "वो कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।" जो वह मूसा में था, वह एलिय्याह में भी था; जो वह एलिय्याह में था, वह यूहन्ना में था; जो वह यूहन्ना में था, उसने अपने आप को यीशु में—में पूरा किया। और आज भी वो वैसा ही है जैसा वो तब था, और यह अब भी परमेश्वर का वचन है जिसकी आज के दिन के लिए भविष्यवाणी की गई थी, जो उसे वह उजियाला बनाता है जो जो चमकता है और प्रतिज्ञा किए हुए वचन को प्रमाणित करता है।

117 हम अंत समय पर हैं, मित्रों। यीशु उपस्थित है। मुझे पता है कि आपने यह सुना है।

118 क्या हो यदि आपने अपने जीवन में कभी नहीं देखा, और आपके पास कभी देखने की चेतना नहीं थी, किसी मनुष्य ने नहीं देखा, लेकिन कभी तो

एक बार जब आप एक सच्ची गर्माहट महसूस को करते हो? और मेरे पास एक दृष्टि थी, मैं देख सकता था, और मैं आपको बताता हूँ कि यह सूरज था। तुम कहते है, "मैं नहीं जानता कि यह कैसे होता है, लेकिन मुझे ऐसा अहसास होता है, जैसे गर्माहट, आप महसूस कर सकते हैं।"

मैं कहता हूं, "यही वो सूरज है।"

"सूरज क्या होता है? "

"यह एक प्रकाश है।"

"प्रकाश क्या होता है? " यह सब आपके लिए एक नई दुनिया होगी।

119 लेकिन क्या हो यदि मैं आपको बताता हूं कि यीशु मसीह अभी यहां खड़ा हुआ है? क्या हो यदि मैं आपको बताता हूं कि वो हमारे बीच में है? उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। "जहां कहीं दो या तीन मेरे नाम में इकट्ठे होते हैं, वहां मैं उनके बीच में होता हूं। मैं वहां हूँ!" अब यही या तो मेरे लिए सच्चाई है, *यह* सब सच्चाई है, या इसमें कोई सच्चाई नहीं है। *यह* या तो सही है, या यह सही नहीं है।

120 अब, जहाँ तक आपको बचाने की बात है, उसने ऐसा तब किया जब वह कलवरी पर मरा। आपको चंगा करता है, उसने ऐसा तब किया जब वह कलवरी पर मरा। आपने इसे विश्वास किया। वचन ने कहा कि उसने किया।

121 अब केवल वो चीज जिसे वह कर सकता था, यदि वह यहां पर खड़ा होता था इस सूट को—को पहने हुए, जो उसने मुझे दिया, ये केवल आपको साबित करेगा कि वह मसीहा था।

122 ना ही उसके हाथ में कील के निशान के द्वारा। कोई भी पाखंडी ऐसा कर सकता है, किलो के निशान लगा सकता है, और उसके चेहरे के ऊपर लहू लगा और निशान और अन्य चीजें सकता है। ऐसा किया जा सकता है। ऐसा ही रहा है। बहुत से लोगों को यहाँ तब उसकी तरह सूली पर भी चढ़ाया गया। ऐसा नहीं है।

123 लेकिन उसका जीवन, जो उसमें था! "पुत्र अपने आप में कुछ नहीं कर सकता, लेकिन वही जो वो पिता को करते हुए देखता है।" यह वह जीवन है, जो उसमें है, जो प्रमाणित हुआ। ना ही इसलिए कि वह एक यहूदी था जिसे कुएँ की छोटी स्त्री ने मसीहा होने का विश्वास किया; क्योंकि वह उसके हृदय के उन विचारों को परख सकता था, इस बात ने उसे मसीहा

बनाया। यदि उन बीते हुए दिनों में मसीहा ने अपना खुद का परिचय इस प्रकार से दिया था, यह स्वयं को ज्ञात करवाने का उसका प्रदान किया गया मार्ग था। वचनों के अनुसार, इस युग के लिए यही उसका प्रदान किया गया मार्ग है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं?

124 अब, आप में से हर एक यहाँ पर, मैं एक अजनबी हूँ। मैंने हर कहीं देखा है, मुझे कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिसे मैं जानता हूं। यहां पर हर एक जन, जो मुझे नहीं जानता, और मुझे जानता है कि मैं आपके बारे में कुछ नहीं जानता, अपने हाथ ऊपर करें। पक्का है, हर जगह। यहाँ इस खाट पर लेटे हुए इस व्यक्ति ने हाथ को ऊपर उठाया। वह मुझे नहीं जानता। मुझे कोई नहीं जानता।

125 लेकिन याद रखना, परमेश्वर आपको जानता है। परमेश्वर आपको जानता है। अब, यदि वह साबित करता है कि वह यहाँ है।

"यह क्या है, भाई ब्रंहम? " यह एक दान है।

126 एक दान क्या है? फिर भी, दान क्या है? ना ही कुछ तो लेना और कुछ तो उपयोग करना, कहना, "मुझे चंगाई का दान मिला है! मैं बाहर जाकर और *इसे* चंगा करता हूँ, *उस* एक को चंगा करता हूँ।" यदि मैं कर सकता, तो मैं निश्चित रूप से इसे करता। अब, यह, लेकिन, एक दान है, यह, आप—आप, आप एक दान का गलत अनुवाद करते है, एक *दान* बस वो होता है "अपने आपको रास्ते से हटा ले और पवित्र आत्मा को आपका उपयोग करने दो।" समझे? यही दान होता है।

127 यही है जो सेवक होता है। वह वो प्रचार नहीं करता जिसे वो प्रचार करना चाहता है। वह बस अपने आप को रास्ते पर से हटा लेता है, यह एक दान है, और प्रेरणा आती है, और वह—वह पवित्र आत्मा की प्रेरणा में से होते हुए बोलता है। कोई भी अन्य दान उसी तरह से होता है। अब, सेवकाई करने के दान और इत्यादि, ऐसे ही होते है। सबसे पहले, परमेश्वर के दिए गये दान में से एक है, "पहले प्रेरित, भविष्यव्यक्ता, शिक्षक, पास्टर और सुसमाचार प्रचार करने वाले।" यही वो कार्यालय है। यही हमारे दान है।

128 अब, यीशु मसीह ने प्रतिज्ञा की कि वह अंत के दिनों में इसे करेगा। यदि वह इसे करता है, यदि वह इसकी प्रतिज्ञा करता है और इसे करेगा, तो आज रात कितने लोग उस पर विश्वास करेंगे और उसे स्वीकार करेंगे? अपना हाथ ऊपर उठाये, कहे, "मैं उसे स्वीकार करूंगा।" तब यहाँ कितने

हैं... धन्यवाद। यहां कितने लोग है जो पहले कभी किसी सभाओं में नहीं गए हैं, अपने हाथ ऊपर उठाएं। ओह, लगभग आधी भीड़। कितने लोग विश्वास करते हैं, इससे पहले कि वह इसे करे, आप हर हाल में विश्वास करते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे।

129 अब देखो। यदि मैंने आपको सच्चाई को बताया है, तो परमेश्वर मुझे उत्तर देने के लिए बाध्य हैं। वह देगा। वह उसके वचनों को आपके मुंह में डालता है और वे वास्तविक हो जाते हैं। यह सही है, यह उसके वचन हैं, इसे ये करना ही है। "मैंने अपने वचन को भेजा है, यह व्यर्थ नहीं लौटेगा।"

130 अब, यदि मैं चंगा कर सकता, तो मैं करता। बस जैसे कि आदरणीय, दिवंगत, भाई अपशॉ जिसके बारे में हम बात कर रहे थे। उस व्हीलचेयर में पीछे बैठा वह बूढ़ा आदमी, एक साहसी बूढ़ा मनुष्य, यदि मैं कर सकता तो मैं उसे चंगा कर देता। मैंने मंच पर से जाने लगा, और मैं पीछे मुड़ा और उसे एक दर्शन में देखा, वो जा रहा था, वो चल रहा था। मैंने उसे बुलाया, उसे बताया कि ये क्या था, और यह ऐसा था। वो उठ खड़ा हुआ और चलकर, मंच पर आया, उसने उसके पैरो के पंजों को छुआ, छियासठ साल अपंग रहने के बाद। देखा?

131 उसी रात, एक अश्वेत महिला, अपने बच्चे के साथ थी, वहां उसके बगल में। मैंने कहा, "मैं एक—एक डॉक्टर को चश्मे को पहने हुए देखता हूं, और—और उसने एक छोटी, अश्वेत लड़की का ऑपरेशन किया है, और इसने उसके गले से उसे लकवाग्रस्त कर दिया है।"

132 एक बूढ़ी अश्वेत महिला, आप मुश्किल से उसे मंच पर से पकड़ नहीं सकते थे। उसने कहा, "प्रभु, दया, यह मेरी बच्ची है!" और यहाँ वह आती है, प्रबंधको का एक झुंड उसे रोक भी नहीं सकता था।

133 मैंने कहा, "आंटी, यहाँ आने से कोई फायदा नहीं होगा। यह ऐसा नहीं है... यही परमेश्वर है।" मैंने कहा था, "यहां आने से कोई फायदा नहीं होगा। केवल विश्वास करें।" और वह घुटनों के बल बैठ कर और प्रार्थना करने लगी। मैंने दर्शकों की ओर सामने देखा और मैंने जैसे एक सकरी गली देखी, जाती हुई। मैंने एक छोटी सी अश्वेत लड़की को अपनी बाहों में एक गुड़िया के साथ गली में होकर नीचे जाते हुए देखा। और मैंने उस छोटी, अश्वेत लड़की को देखा, पीछे मुड़कर देखा, और वह वही लड़की थी। मैंने

कहा, "इसका उत्तर दिया गया है।" वह उठकर, और खाट से दूर होकर खड़ी हो गई। देखा?

134 यह परमेश्वर है। देखा? यह परमेश्वर है। समझे? वह नहीं... कोई भी चंगा नहीं कर सकता। यह तो परमेश्वर में आपका विश्वास है।

135 अब, बाईबल ने कहा कि वह एक महायाजक है, ठीक अभी, जिसे हमारी दुर्बलताओं की भावना के द्वारा छुआ जा सकता है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? एक महायाजक! अब, यदि वह एक महायाजक है, तो वह किस तरह के कार्य करेगा? यदि वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, तो वह कल, आज, और युगानुयुग जैसे ही कार्य करेगा।

136 अब आप प्रार्थना करो, और उसके बाद पवित्र आत्मा को... तुम परमेश्वर से कहते है, "परमेश्वर, वहाँ खड़ा यह मनुष्य मुझे नहीं जानता, लेकिन वह जो कहता है वह बात मायने रखती है। आप एक से हैं। आप मसीह है। मैं बीमार हूँ। मुझे आवश्यकता है। और यदि आप मुझे करने दे... यदि मेरे पास इसे करने का विश्वास नहीं है, तब कोई तो जिसे मैं जानता हूं उसमें विश्वास होने दो, और इसे करने दो... आप बताये और होने—होने दो मुझे या उस व्यक्ति को महिमा में अपने वस्त्र के किनारे को छूने दीजिये। फिर यदि वो मार्ग से हट जाए, तो आप उसके मुंह का बोलने के लिए उपयोग करे, और इसे ठीक उसी तरह से कीजिये जैसे आपने तब किया था जब आप धरती पर थे। मैं जान जाऊंगा कि आप कल, आज और युगानुयुग एक से हैं।"

आईये अब हम अपने सिरों को झुकाये।

137 प्रभु यीशु, सुसमाचार प्रचार से भविष्यवाणी के कार्य की ओर मुड रहा हैं, लेकिन फिर भी मैं आप पर विश्वास करता हूँ, प्रभु, आपने इसकी प्रतिज्ञा की है। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात इसे प्रदान करेंगे। इसे प्रदान करें। मेरी सुने। जब यह श्रोतागण आज रात यहाँ से चले जाते हैं, और हम घर जाते हैं, होने पाए हम उन लोगों की तरह कहे जो इम्माऊस से आए थे, "मार्ग में जब उसने हमसे बातें की तो क्या हमारे हृदय में उत्तेजना नहीं हुई? " यीशु मुर्दों में से जी उठा; वे इसे नहीं जानते थे। वे उससे बात कर रहे थे; वे इसे नहीं जानते थे। लेकिन जब वो उनके घर में गया, और दरवाजा बंद किया, तब उसने कुछ उस तरह से किया जैसा उसने अपने क्रूस पर जाने से पहले किया था। जिससे उनकी आंखें

खुल गईं। उन्होंने देखा कि यह वही था। फिर से, प्रभु, होने पाए हमारे हृदय उत्तेजित हो जाये जब हम आज रात्रि घर जायें, जैसा कि उनका हुआ था। क्योंकि हम जानते हैं कि रास्ते भर में आपने हम से बातें की हैं। आज रात उसी काम को करें, जो आपने किया था जब आप धरती पर थे, क्योंकि आप कल, आज और युगानुयुग एक सा है। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

138 अब प्रार्थना में रहे और केवल विश्वास करें। आईए हम पहले *इस* ओर को, अर्पण करें। कोई पार्क नहीं पड़ता, आप भवन में कहीं भी हों, परमेश्वर पर विश्वास करें। मैं चाहता हूं कि हर एक जन वास्तविक श्रद्धापूर्वक हो और शांत बैठकर, प्रार्थना करे।

139 यह पूरी तरह से असंभव है। मैं आज सुबह सेवकगणों के नाश्ते पर "एक विरोधाभास" पर बात कर रहा था। एक *विरोधाभास* अविश्वनीय है, "कुछ तो अविश्वनीय, लेकिन फिर भी सत्य है।" आप जानते है कि पवित्र आत्मा यहाँ खड़ा होगा और उस श्रोतागण में कुछ तो बोलेगा, उन लोगों से जिन्हें मैं नहीं जानता, यह एक विरोधाभास होगा। यह कुछ तो है जिसे समझाया नहीं जा सकता है। मैं नहीं जानता कि वह करेगा। मैं बस आशा कर रहा हूं कि वह करेगा, भरोसा कर रहा हूं कि वह करेगा।

140 अब केवल प्रार्थना करे, और कहे, "प्रभु यीशु, मैं आपके वस्त्र को छूना चाहता हूं, और मुझे—मुझे आवश्यकता है। मैं आपसे प्रतिज्ञा करता हूं, प्रभु, मैं मैं—मैं सारे जीवन भर आपकी सेवा करूंगा।" परमेश्वर चाहता है कि आप पश्चाताप करें। यदि आपने पश्चाताप नहीं किया हैं; पश्चाताप करे, कहे, "मैं प्रायश्चित करना चाहता हूँ, प्रभु। मैं चाहता हूं कि आप मुझे चंगा करें। मैं चाहता हूं कि आप मुझे आशीष दें। अब मुझे चंगा करे प्रभु। मैं आपका सेवक हूँ।"

141 मैं करने जा रहा... क्या आपने आज प्रार्थना कार्ड दिए है? मैं बस बिली से पूछने जा रहा था कि क्या... यदि उसने ऐसा नही किया है, तो मैं एक प्रार्थना पंक्ति को रखूंगा। लेकिन उन्होंने आज कभी प्रार्थना कार्ड नहीं दिया। बस आदरपूर्वक से बैठे, विश्वास करे।

142 अब, यीशु मसीह के नाम में, मैं यहाँ की हर एक आत्मा को अपने नियंत्रण में लेता हूँ, परमेश्वर की महिमा के लिए, कि उसका वचन प्रकट हो जाए, जिससे कि न्याय के दिन हमारे पास कोई बहाना नहीं होगा।

143 अब इस ओर देखे, और अब विश्वास करे। अपने पूरे ह्रदय से प्रार्थना करे, और बस प्रार्थना करे, और नम्रता से, इस पर लड़ो मत, केवल अपने आप में विश्राम करे, और कहो, "प्रभु, आपने प्रतिज्ञा की है। मुझे आप पर विश्वास है।" यही है जो मुझे करना है।

144 मैं जानता हूं कि मुझे आपसे पूछने की आवश्यकता नहीं है। उस प्रकाश को कितने लोगों ने देखा है? आइए देखते हैं। आपने इसकी तस्वीर को देखा है। आइए आपके हाथों को देखें, जो कभी इसकी तस्वीर देखी है। क्या आप इसे ठीक वहां पर नहीं देखते? देखिए, यह एक और आयाम है। यह उस महिला के ठीक ऊपर है।

145 वह पैरो और पीठ की तकलीफ से परेशान है। वह... क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है, बहन? आपने किसे छुआ? आप मुझे नहीं जानती, लेकिन आपने कुछ तो छुआ है। यदि प्रभु यीशु मुझे बतायेगा कि आप कौन हो, तो क्या यह आपको बेहतर विश्वास करने को लगायेगा? आप श्रीमती फिलिप्स हैं। यदि यह सही है तो अपने पैरों पर खड़े हो जाए। तो ठीक है। क्या मैं आपके लिए पूरी तरह से अजनबी हूं? यदि यह सही है तो अपना हाथ ऊपर उठाएं। मैंने उसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा। उसने किसे छुआ? जाकर बाद में उस महिला से बात करो। दर्द अब सब चला गया है। आप बिल्कुल ठीक हो। आप घर जा सकते हैं और स्वस्थ रहे।

146 यहाँ एक महिला है, ठीक उस महिला के पीछे वहाँ। वह मानसिक तनावपूर्ण स्थिति में होने से पीड़ित हैं। हे परमेश्वर, यदि वह नहीं... उसका नाम श्रीमती स्टार है। विश्वास करें, यीशु मसीह आपको चंगा करेगा। अपने पैरों पर खड़े हो जाये और अपने चंगाई को ग्रहण करे। यदि मैं आपके लिए अजनबी हूं, तो अपने हाथों को हिलाएं। आपकी तनावपूर्ण स्थिति खत्म हो गयी है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

147 उन्होंने क्या प्रतिज्ञा की थी? उसने इसकी प्रतिज्ञा की थी। क्या आप विश्वास करते हैं?

148 वहां उसके ठीक पीछे, एक महिला बैठी हुई है। वह प्रार्थना कर रही है। वह बैचेन है, परेशानी में हैं। वह धूम्रपान छोड़ना चाहती है। उसका नाम श्रीमती बोर्डन है। उठो, श्रीमती बोर्डन। आपकी सिगरेट छुट चुकी है। यीशु

मसीह आपको चंगा करता है। मैंने अपने जीवन में उस महिला को कभी नहीं देखा।

149 क्या आप विश्वास करते हैं? अब आप जानते हैं कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। यह तो यीशु मसीह है। यह क्या है? "वचन दोधारी तलवार से अधिक तेज, अधिक सामर्थवान है, विचारों और हृदय के इरादों को परखने वाला है।" ये वचन है, यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। क्या आप विश्वास यह नहीं कर सकते?

150 यहाँ, यहाँ एक पुरुष बैठा हुआ है, जिसे हर्निया है, हृदय की तकलीफ है। यह सही बात है। मैं उस पुरुष को नहीं जानता। मैंने उसे कभी नहीं देखा। लेकिन वह एक सेवक हैं। आदरनीय, श्रीमान किन्से। यह सही बात है। क्या आप विश्वास करते हैं, महाशय? अपने पैरों पर खड़े हो जाये और अपनी चंगाई को प्राप्त करे। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

151 वैसे, क्या आप एक सेवक होने के नाते मेरी सहायता करेंगे? अपनी पत्नी पर हाथ रखो, वह किडनी की बीमारी से पीड़ित है, किडनी की तकलीफ के साथ, अधिक वजन के साथ, समस्याओ साथ है। उस पर हाथ रखे। यह उसे छोड़ने जा रही है, यदि आप विश्वास करें।

152 कहे तो, आपके ठीक पीछे एक पुरुष बैठा हुआ है, उस पर मृत्यु की छाया है। उसे कैंसर हो गया है। वो पुरुष ट्यूमर, कैंसर, तनाव से गुजर रहा है। उसका नाम श्रीमान यंग है। अब विश्वास करे। यीशु मसीह आपको चंगा करता है। क्या आप इसका विश्वास करते है? क्या आप इसे स्वीकार करते हैं? तो ठीक है, श्रीमान।

153 यहाँ एक पुरुष इस खाट पर लेटा हुआ है। महाशय, मैं आपको नहीं जानता। यदि मैं आपको चंगा कर सकता, तो मैं करता। मैं आपके लिए एक अजनबी हूँ। आप इतनी दूर से आए हैं। आपने यहां आने का बहुत प्रयास किया है। आप से जो गलत है उसे आप छिपा नहीं सकते; लेकिन मैं आपको चंगा नहीं कर सकता। आप अपनी पत्नी के साथ यहां आए हैं। वह उस हलके गुलाबी रंग के कोट को पहने हुए वहां बैठी है। यह सही बात है। तो ठीक है। पुरुष मृत्यु की छाया में है; वह नहीं जी सकता है लेकिन अब थोड़ी देर के लिए। उसे कैंसर हो गया है।

154 आप भी पीड़ित हो, बहन। आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता हैं कि आप किसके साथ पीड़ित हैं? यह आपकी पीठ की

तकलीफ है। यह सही बात है। यदि यह सही है, तो हाथ ऊपर उठाये। तो ठीक है, आप अपनी चंगाई को ग्रहण करें। इसे विश्वास करे। अपने पति के ऊपर हाथ रखे।

155 क्या आप मुझे उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करते हैं, महाशय? यदि आप वहां लेटे रहते है, तो आपकी मृत्यु निश्चित है। आप नहीं जी सकते। बस इतना ही। डॉक्टरों ने आपको छोड़ दिया है। कैंसर ने आपको खा लिया है। मैंने आपके चंगे होने से ज्यादा मामलों को देखा हैं। मैं आपको चंगा नहीं कर सकता। लेकिन यदि आप इसे स्वीकार करेंगे और इसे विश्वास करेंगे! क्या आप इसे विश्वास करते है? यह आपका एकमात्र मौका है। आपका अन्तिम समय निकलता जा रहा है। क्या आप इसे विश्वास करते है? यदि आप करते हैं, तो उस खाट से निकलकर खड़े हो जाये। वहां से उठ जाओ, यीशु मसीह के नाम में! अपने पांवों पर खड़े हो, और चंगे हो जाओ, और परमेश्वर की महिमा करते हुए यहां से चलकर जाये। कोई तो वहाँ उसके हाथ को पकडे, उसकी सहायता करे। वहां है वो, अपने पैरों पर खड़ा है।

156 यहाँ कितने लोग विश्वास करते हैं? अपने हाथ ऊपर उठाये। अपने पैरों पर खड़े हो जाये। आप में से बाकी लोग जो चंगे होना चाहते हैं, यीशु मसीह के नाम में खड़े हों जाए। अपने हाथ ऊपर करे, परमेश्वर की स्तुति करे। उसे स्तुति और महिमा दे। अब आपकी चंगाई के लिए प्रभु का धन्यवाद करें, यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है!

157 भाई, डॉक्टर विफल हो गए हैं। यह परमेश्वर का प्रदान किया गया मार्ग है। इसे विश्वास करे!

158 कितने लोग परमेश्वर के द्वारा प्रदान किए गए मार्ग को स्वीकार करना चाहते हैं? अपने हाथ को ऊपर उठाकर और परमेश्वर को स्तुति दे, आप में से हर एक जन, और विश्वास करें कि आप चंगे हो गये हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर का इस दिन के लिए प्रदान किया गया मार्ग HIN64-0206E

(God's Provided Way For This Day)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में गुरुवार शाम, 6 फरवरी, 1964 को केर्न काउंटी फेयरग्राउंड्स, बेकर्सफील्ड, केलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org